मनसा सेवा - 96

अव्यक्त बापदादा :- (17/03/2003)

➳ _ ➳ **एक है वाणी दूसरा है स्व शक्तिशाली स्थिति और तीसरा श्रेष्ठ रूहानी वायब्रेशन जहाँ भी सेवा करो वहाँ ऐसा रूहानी वायब्रेशन फैलाओ जो वायब्रेशन के प्रभाव में सहज आकर्षित होते रहें। देखो, अभी लास्ट जन्म में भी आपके जड़ चित्र कैसे सेवा कर रहे हैं? क्या वाणी से बोलते हैं? वायब्रेशन ऐसा होता जो भक्तों की भावना का फल सहज मिल जाता है।**

➳ _ ➳ **ऐसे वायब्रेशन शक्तिशाली हों, वायब्रेशन में सर्व शक्तियों की किरणें फैलती हों, वायुमण्डल बदल जाएं। वायब्रेशन ऐसी चीज़ हैं जो दिल में छाप लग जाती है। आप सबको अनुभव है किसी आत्मा के प्रति अगर कोई अच्छा या बुरा वायब्रेशन आपके दिल में बैठ जाता है तो कितना समय चलता है? बहुत समय चलता है ना! निकालने चाहो तो भी नहीं निकलता है, किसका बुरा वायब्रेशन बैठ जाता है तो सहज निकलता है?**

➳ _ ➳ **तो आपका सर्व शक्तियों की किरणों का वायब्रेशन, छाप का काम करेगा। वाणी से भूल सकती है, लेकिन वायब्रेशन की छाप सहज नहीं निकलती है। अनुभव है ना है ना अनुभव?**

➢➢ **Vibrations केवल conscious mind में ही नहीं रहते, sub-conscious mind में चले जाते हैं...**

➳_ ➳ **वायब्रेशन तरंगें, रेडियेशन, प्रकम्पन हैं...**

→ **अच्छे या बुरे दोनों वायब्रेशन अंदर चले जाते हैं...**

■ **और जो एक बार अंदर चला गया, उसे बाहर निकालना बहुत मुश्किल है..**

➢➢ **क्रोध के सूक्ष्म रूप हैं...**

➳_ ➳ **घृणा**

➳_ ➳ **किनारा कर लेना...**

➳_ ➳ **स्टाम्प लगा देना कि यह आत्मा ऐसी ही है...**

→ **ये नेगेतिव विचार sub-conscious mind में चले जाते हैं, वही रहते हैं...**

→ **उस आत्मा के सामने आने पर वही घृणा भाव प्रकट होगा..**

■ **बीमारी में किसी ने मदद की, सेवा की... वे अच्छे वायब्रेशन भी अंदर चले जाते हैं...**

▶ **निकालना चाहे तो भी नहीं निकलते...**

➢➢ **बाबा के महावाक्य हैं... आपका सर्व शक्तियों की किरणों का वायब्रेशन छाप का कम करेगा...**

➳_ ➳ पुलिस का स्निफर कुत्ता सूंघकर चोर को पकड़ लेता है..

➳_ ➳ निकृष्ट कर्म करने वाले, तमोगुणी वायब्रेशन के चोर को पकड़ लेता है...

→ हम संसार की सर्व श्रेष्ठ आत्माएं हैं... तो हमारे वायब्रेशन कैसे हों...

■ यदि हमारे किसी के लिए नेगेटिव वायब्रेशन हैं, तो वे भी उस तक जायेंगे...

▶ हमें विशवास होना चाहए कि जो मैं दे रहा हूँ, वह संकल्प उस आत्मा तक पहुंचेगा..

➢➢ बुरे वायब्रेशन लम्बे समय तक मन में समाये रहे तो anger, hatred का रूप ले लेते हैं...

➳_ ➳ Settled anger is hatred.

➳_ ➳ किसी एक आत्मा के लिए भी नेगेटिव भाव है तो वह जागृत होकर बाहर आएगा...

→ Clean and clear heart हो...

→ अध्यात्म का लक्ष्य है, हृदय का शुद्धीकरण...

➢➢ बाबा के महावाक्य बौद्धिक तल पर नहीं समझे जा सकते...

➳_ ➳ परमात्मा किस अवस्था में कह रहे है... इसे बौद्धिक तल पर नहीं समझ सकते...

→ उसने अव्यक्त स्थिति में कहे है...

→ यदि हमारी अव्यक्त स्थिति नहीं है, तो हम उनको नहीं समझ सकते...

■ स्पीकर जिस लेवल पर है उसी लेवल पर श्रोता हो...

▶ फिर उस वाक्य में वह दिखाई देगा जो वह है...

▶ बाबा जो शब्द कह रहे हैं, उनमे इतनी शक्ति नहीं है...

▶ दो शब्दों के बीच जो अंतराल, साइलेंस है, उसमे गहराई, भाव छिपा है...

▶ एक ही वाक्य में गहन सार छिपा हुआ है..

➢➢ कौन सी आत्मा है...

➳_ ➳ जिनके प्रति हमारे मन में सम्मान कम है...

➳_ ➳ जिनकी स्तुति हम सुन नहीं सकते..

➳_ ➳ जिनके लिए हमारे मन में घृणा है..

→ यदि ऐसी स्थिति है तो शायद उस आत्मा के लिए सम्पूर्ण शुभ भावना कम है...

■ भूकंप आने पर सकाश देना सहज है, लेकिन ऐसी आत्मा को सकाश देना मुश्किल है...

➢➢ समय दिन प्रतिदिन नाजुक होना है...

➳_ ➳ हमें हमारी स्थिति मजबूत बनाने के लिए आंतरिक पुरुषार्थ पर ध्यान देना है...

➳_ ➳ मनसा सेवा को शक्तिशाली बनाना है...

→ मधुबन में किया थोडा पुरुषार्थ बाहर बहुत काम आता है..

→ यहाँ एक एक पल का पूरा लाभ उठाना है...

■ निरंतर एक ही लक्ष्य हो... एक पल भी वेस्ट न जाए...

■ वेस्ट से मुझे तुरंत छूटना है..

■ टाइम कभी वेस्ट न हो...

▶ घूमने में

▶ बात करने में

▶ इससे उससे मिलने में

▶ मोबाइल में

■ इन सबमे ही शक्ति बह रही है...

■ शक्ति का संवर्धन, preservation करना है...

■ आत्माएं कमजोर हैं, उनमे शक्ति नहीं है... ऐसे वातावरण में रहते हुए स्वयम को शक्तिशाली बनाना यही पुरुषार्थ है..